महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय
Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya
(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय) *(A*
Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

कलाएं एक परिवार की तरह हैं -कुमार अनुपम

वर्धा, 13 अक्टूबर 2012: सुपरिचित युवा कवि, चित्रकार तथा कला समीक्षक कुमार अनुपम ने कहा है कि कलाएं एक परिवार की तरह हैं और उनका आपस में संबंध जितना संवेदनात्मक होता है, उतना ही जैविक भी। कुमार अनुपम शनिवार को महात्मा गांधी अंतर्रराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के कोलकाता केंद्र में 'कलाओं का सहकार-संबंध' पर आयोजित संगोष्ठी को संबोधित कर रहे थे।

कुमार अनुपम ने कहा कि एक रचनाकार कई विधाओं में काम करता है और वह अपने अनुभव को एक विधा में व्यक्त कर सकता है और जब उसे लगता है कि उसे वह विशेष संपूर्णता में संप्रेषित नहीं कर पाया तो उस अनुभव को दूसरी विधा में बरतने का प्रयास करता है। उन्होंने कलाओं के अंतर्संबंध के आईने में अपनी ही कविता स्तोभक्रिया माने बोलना अर्थहीन शब्दों के बोल का पाठ किया। उन्होंने अपनी चुनिंदा दूसरी कविताएं भी सुनाईं।

संगोष्ठी को संबोधित करते हुए साहित्य के गंभीर अध्येता भोला प्रसाद सिंह तथा रंगकर्मी त्रय पार्थसारथी सरकार, विजय राय और सुशील कांति ने कहा कि कलाओं का समुच्चय नाटकों में दिखता है। पार्थसारथी, विजय और सुशील ने नाटकों के कई गीत भी सुनाए। पंकज सिंह ने लोक-गीत सुनाया तो कलावती कुमारी, मुकेश मंडल और धीरज सिंह ने काव्य आवृत्ति की। संगोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए वरिष्ठ नाट्य निर्देशक, लेखक तथा अनुवादक जितेंद्र सिंह ने कहा कि नाटक के अलावा सिनेमा में सभी कलाएं घुल-मिल जाती हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे लगातार सांस्कृतिक प्रयत्न करने होंगे जो कलाओं के अंतर्संबंध को मजबूती देने में सहायक हों। कार्यक्रम के दूसरे सत्र में चित्रकार नागेश्वर शर्मा से संवाद का कार्यक्रम रखा गया। उन्होंने विस्तार से अपने चित्रकार बनने की कहानी सुनाई तथा अपनी सृजन प्रक्रिया पर भी प्रकाश डाला। इस दौरान शर्मा की चित्रकृतियों की प्रदर्शनी भी लगाई गई। संगोष्ठी तथा संवाद कार्यक्रमों का संचालन नीलम कुमारी ने किया। स्वागत भाषण तथा धन्यवाद ज्ञापन विश्वविद्यालय के एसोसिएट प्रोफेसर तथा कोलकाता केंद्र के प्रभारी डॉ. कृपाशंकर चौबे ने किया।

बी. एस. मिरगे, जनसंपर्क अधिकारी

कैप्शन: संगोष्ठी को संबोधित करते कुमार अनुपम। उनके दाएं हैं नीलम कुमारी, भोला प्रसाद सिंह और नागेश्वर शर्मा।